पारिवारिक जीवन को धर्ममय बनाने का दिया संदेश

खाचरौद। महावीर मार्ग स्थित राजेंद्र सूरी पोषधशाला में रविवार को राजेंद्र कोष ग्रंथ का वाचन एवं पारिवारिक जीवन पर प्रेरणादायी प्रवचन पूज्य साध्वी शाश्वत प्रिया ने अपने मंगल प्रवचन में पारिवारिक जीवन, धर्म और आत्मकल्याण के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं को धर्ममय जीवन जीने की प्रेरणा दी।

साध्वीश्री ने कहा कि प्रवचन केवल सुनने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में उतारने के लिए होते हैं। केवल हमारा प्रवचन में बैठना पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रवचन हमारे भीतर बैठना चाहिए। उन्होंने कहा कि आत्मकल्याण और मोक्ष की प्राप्ति के लिए संसार के प्रति आसक्ति का त्याग आवश्यक है। नारी के प्रथम व्रत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आदर्श पत्नी अपने पति के दोषों का कभी प्रचार नहीं करती। पत्नी को धर्मपत्नी इसलिए कहा गया है क्योंकि वह स्वयं धर्ममय जीवन जीते हुए पूरे परिवार को सद्मार्ग पर चलाने, संस्कारों का संरक्षण करने तथा अधर्म से बचाने का कार्य करती है। धर्म के प्रति उसकी निष्ठा ही उसे यह गौरवपूर्ण विशेषण प्रदान करती है। प्रवचन के उपरांत आयोजित पारिवारिक व्याख्यान का बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं एवं महिलाओं ने लाभ लिया। श्रद्धालुओं ने धर्म, संस्कार और पारिवारिक मूल्यों पर आधारित जीवन जीने का संकल्प लेते हुए साध्वीश्री के प्रेरणादायी संदेशों को आत्मसात करने का भाव व्यक्त किया।

साध्वीश्री ने कहा कि...

चित्त में प्रसन्नता के बिना धर्म का वास्तविक प्रवेश संभव नहीं है। जब तक मन प्रसन्न नहीं होगा, तब तक धर्म की आराधना भी सार्थक नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि परिवार की प्रसन्नता और धर्म एक-दूसरे के पूरक हैं तथा दोनों के समन्वय से ही जीवन में सुख, शांति और आनंद की अनुभूति होती है। उन्होंने परिवार की तुलना रथ से करते हुए कहा कि जिस प्रकार रथ दो पहियों से चलता है, उसी प्रकार परिवार भी पति और पत्नी रूपी दो पहियों के प्रेम, विश्वास, सहयोग और समर्पण से ही सफलतापूर्वक संचालित होता है। एक पहिए से न रथ चल सकता है और न ही परिवार सुखपूर्वक आगे बढ़ सकता है।

विश्व हिंदू परिषद मालवा प्रांत की बैठक में नागदा जिले के नवीन दायित्वों की घोषणा

उज्जैन। विश्व हिंदू परिषद मालवा प्रांत की तीन दिवसीय प्रांत बैठक में शनिवार, 2 अगस्त 2026 को संगठन के विस्तार एवं आगामी कार्ययोजना को लेकर विभिन्न दायित्वों की घोषणा की गई। प्रांत मंत्री विनोद जी शर्मा ने नागदा जिले के नवीन पदाधिकारियों के नामों की घोषणा करते हुए उन्हें संगठन हित में समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। घोषित दायित्वों के अनुसार जितेंद्र जी पांचाल को उज्जैन विभाग नैतिक शिक्षा प्रमुख, रानी दीदी व्यास को उज्जैन विभाग दुर्गा वाहिनी विभाग सह संयोजिका, देवेंद्र जी सेन को विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल जिला अध्यक्ष (नागदा), समरत जी सेन को जिला मंत्री, कमलदास जी बैरागी को जिला सह मंत्री, रमेश जी प्रजापत (बालाजी) को जिला कोषाध्यक्ष, जय श्री भाटी दीदी को दुर्गा वाहिनी जिला संयोजिका तथा मनोहर जी आंजना को जिला संगठन मंत्री (नागदा) का दायित्व सौंपा गया।

नाबालिग से छेड़छाड़ मामले में तीन गिरफ्तार

महिदपुर। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उज्जैन करणदीप सिह एसडीओपी महिदपुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी महिदपुर द्वारा टीम गठित कर 1 अगस्त को पीड़िता के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपी समीर की सहायता करने वाले आरोपी गण शाहिद , सोहेल , शाहिल को गिरफ्तार कर जेल भेजा।

31 जुलाई को सूचना कर्ता ने थाने पर रिपोर्ट किया कि आरोपी समीर ने उसका स्कूल जाते समय रास्ते में पीछा कर उसके साथ छेड़छाड़ की तथा आरोपी गण शाहिद , सोहेल , शाहिल ने सूचना कर्ता की मां को धमकी दी की तेरी लड़की घर से बाहर निकलेगी तो उसे समीर छेड़ेगा। यदि तूने 10 हजार रुपये नहीं दिये तो तेरी लड़की को समाज में बदनाम कर देंगे।

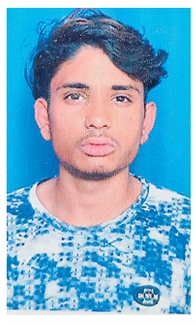

रिपोर्ट पर थाना महिदपुर पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपी समीर की छेड़छाड़ में सहायता करने वाले आरोपी शाहिद पिता अब्दुल रहमान जाति फकीर उम्र 44 साल, साहिल पिता शाहिद उम्र 18 साल, सोहेल पिता शाहिद उम्र 22 साल निवासी सभी महिदपुर को गिरफ्तार कर न्यायालय महिदपुर पेश कर आरोपी का जेल वारण्ट बनने पर आरोपी गण को उपजेल महिदपुर में निरुद्ध कराया गया।

एक नजर में

75वीं इंडियन फार्मास्युटिकल कांग्रेस के पोस्टर और पंजीयन प्रपत्र का विमोचन

उज्जैन। इंडियन फार्मेसी ग्रेजुएट्स एसोसिएशन (आईपीजीए) मध्यप्रदेश राज्य शाखा द्वारा इंदौर में 75वीं इंडियन फार्मास्युटिकल कांग्रेस (आईपीसी) के पंजीयन प्रपत्र और प्रचार-प्रसार पोस्टर का भव्य विमोचन किया गया। समारोह में इंडियन फार्मास्युटिकल एसोसिएशन (आईपीए) और एसोसिएशन ऑफ फार्मास्युटिकल टीचर्स ऑफ इंडिया (एपीटीआई) के पदाधिकारियों सहित प्रदेशभर के विभिन्न फार्मेसी महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक, शोधकर्ता और प्रबंधन प्रतिनिधि शामिल हुए। विमोचन समारोह में एसवीसीपी इंदौर के निदेशक व राज्य फार्मेसी परिषद सदस्य डॉ. पवन दुबे, एलएनसीटी विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विमल कुमार जैन, सीडीजीआई के प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार गुप्ता, एपीटीआई प्रदेश अध्यक्ष डॉ. निर्मल डोंगरे, आईपीए प्रदेश परिषद सदस्य डॉ. सपना मालवीय और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय के मुख्य कुलानुशासक व आईपीजीए प्रदेश अध्यक्ष डॉ. करुणाकर शुक्ला विशेष रूप से मौजूद रहे। वक्ताओं ने आईपीसी को देश का प्रतिष्ठित वैज्ञानिक मंच बताते हुए इसे फार्मासिस्टों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए ज्ञान-विनिमय, नवाचार और व्यावसायिक उत्कृष्टता का सुनहरा अवसर बताया। उन्होंने प्रदेश के सभी फार्मेसी पेशेवरों से इसमें अधिकाधिक संख्या में सहभागिता कर स्वास्थ्य सेवाओं के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और कार्यरत फार्मासिस्टों को पंजीयन के लिए प्रेरित कर आयोजन को ऐतिहासिक व सफल बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर सेज विश्वविद्यालय के डॉ. राघवेंद्र दुबे, पारिजात कॉलेज के डॉ. सत्येंद्र श्रीवास्तव, केवलश्री इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी के डॉ. ओम गिरी गोस्वामी, आईपीएस अकादमी के डॉ. आकाश यादव, ओरिएंटल विश्वविद्यालय के डॉ. सचिन जैन, मालवा कॉलेज ऑफ फार्मेसी के डॉ. राकेश पटेल, एलएनसीटी की डॉ. प्रिया जैन, मॉडर्न कॉलेज के डॉ. नितेश जैन, न्यू एरा कॉलेज के डॉ. प्रदीप तोमर, एसवीसीपी के डॉ. दिशांत गुप्ता, एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट के डॉ. प्रवीण शर्मा, डॉ. राकेश सागर और एसजीएसआईटीएस के डॉ. शरद पी. पाण्डेय सहित अनेक प्राध्यापक व प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का गरिमामय संचालन आईपीजीए मध्यप्रदेश शाखा के सचिव डॉ. सौरभ जैन ने किया। आयोजन का समन्वय उपाध्यक्ष डॉ. राकेश जाटव ने किया तथा अंत में कोषाध्यक्ष डॉ. रेवती गुप्ता ने उपस्थित अतिथियों व प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मन का संतुलन कभी नहीं खोना चाहिए

इंदौर. एयरपोर्ट रोड स्थित नरसिंह वाटिका में चातुर्मास धर्मसभा में साध्वी श्री पद्मकीर्तीजी म.सा. ने बताया कि सुखविपाक सूत्र जैन आगमों का अत्यंत महत्वपूर्ण ग्रंथ है, सुखविपाक का अर्थ है सुख का पाक% अर्थात ऐसा जीवन जिसमें सुख की छाया और सद्कर्मों का परिणाम विद्यमान हो. उन्होंने सुभव कुमार के जीवन की प्रेरणादायी कथा सुनाते हुए बताया कि मनुष्य को परिस्थितियों के अनुसार अपने मन का संतुलन कभी नहीं खोना चाहिए. सुख प्राप्त होने पर अहंकार नहीं करना चाहिए और दु:ख आने पर निराश या व्याकुल नहीं होना चाहिए. महासती डॉ. श्री कुमुदलताजी महाराज साहब ने अपने प्रवचन में वास्तु विषय की चर्चा को आगे बढ़ाते हुए चारों दिशाओं के आध्यात्मिक एवं व्यवहारिक महत्व को सरल भाषा में समझाया. उन्होंने बताया कि प्रत्येक दिशा का अपना विशिष्ट प्रभाव होता है और यदि व्यक्ति दैनिक जीवन में छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखे तो घर एवं परिवार में सकारात्मक ऊर्जा, शांति और समृद्धि का वातावरण स्वयं निर्मित हो सकता है. महासती श्री ने समय प्रबंधन (टाइम मैनेजमेंट) को भी सफल जीवन का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि समय सबसे मूल्यवान संपत्ति है। जो व्यक्ति समय का सम्मान करता है, समय भी उसी का साथ देता है. यदि हम अपने कार्यों को समयबद्ध ढंग से नहीं करेंगे, तो समय स्वयं हमें नियंत्रित करने लगेगा और जीवन में अव्यवस्था बढ़ती जाएगी. धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर प्रवचनों का लाभ लिया. धर्मसभा का संचालन प्रकाश भटेवरा ने किया. आभार जिनेश्वर जैन ने माना.

अयोध्याबाई चौधरी का निधन

महिदपुर। सरस्वती विद्या मंदिर कर्क रेखा डोंगला के उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी बापूलाल चौधरी ग्राम किटिया की धर्मपत्नी श्रीमती अयोध्याबाई चौधरी का 70 वर्ष की उम्र में शनिवार को देवलोकगमन हो गया। अंतिम यात्रा निज निवास ग्राम किटिया से निकाली गई जिसमें प्रबुद्धजन एवं समाजसेवी लोगों ने सम्मिलित होकर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

दो सफाईकर्मियों की जान बचाने पर एसपी का किया सम्मान

उज्जैन। शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय लालपुर में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को जातिसूचक शब्द कहने और नौकरी से निकालने की धमकी देने के मामले में मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ ने पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा से मुलाकात की। एसपी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया है कि मामले की जांच जारी है और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने बीते दिनों पीपली नाका पर दो सफाई कर्मचारियों की जान बचाने के लिए एसपी का महाकाल का दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान भी किया।

संघ के जिलाध्यक्ष हेमराज घावरी के नेतृत्व में मिले प्रतिनिधिमंडल ने एसपी को शिकायत दर्ज कराई कि ज्ञानोदय विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य संध्या शर्मा द्वारा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के साथ द्वेषपूर्ण व्यवहार किया जा रहा है। डराने-धमकाने और नौकरी से निकालने की धमकियों से कर्मचारी परेशान हैं। एसपी शर्मा ने संघ को निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

इनकी रही उपस्थिति- जिला सचिव मुकेश रायकवार ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में वाल्मीकि समाज अधिकारी कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष रवि सीहोते, विभागीय अध्यक्ष सुनील खत्री, अखिलेश मंडोर, संतोष सीहोते और महेश मालवीय प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

त्वरित राहत कार्य से बचाई थी दो कर्मचारियों की जान

संघ ने मुलाकात के दौरान एसपी प्रदीप शर्मा की संवेदनशीलता और त्वरित निर्णय क्षमता के लिए उनका अभिनंदन किया। गौरतलब है कि 7 जुलाई को पीपली नाका पर टाटा कंपनी के तीन कर्मचारी सीवरेज चेंबर की सफाई करते समय अंदर गिर गए थे। इस हादसे में एक कर्मचारी की मौत हो गई थी। घटना के वक्त वहां से गुजर रहे एसपी शर्मा ने भीड़ देखकर अपना वाहन रुकवाया और मौके पर खड़े रहकर त्वरित राहत कार्य करवाया था, जिससे दो सफाई कर्मचारियों की जान बच गई थी।

नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान का माधव विज्ञान महाविद्यालय में शंखनाद

उज्जैन। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशालय के निर्देशानुसार रविवार को नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ किया गया। देश के 125 चयनित जिलों में शामिल मध्यप्रदेश के पांच केंद्रों में से एक शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय में इस अभियान का आयोजन हुआ। इसमें सम्राट् विक्रमादित्य विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के रासेयो कार्यक्रम अधिकारियों और स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभियान के तहत देश के करीब एक करोड़ युवाओं को ऑनलाइन संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने नशे को समाज के लिए अभिशाप बताते हुए युवाओं से योग, खेल, सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया।

नई पाइपलाइन लगाने के कार्य का शुभारंभ

इंदौर. वार्ड 73 में व्याप्त गंदे पानी की समस्या को लेकर क्षेत्रीय पार्षद पति सादिक खान के नेतृत्व में उनके अथक प्रयासों से वार्ड 73 में लंबे समय से पेयजल पाइपलाइन में आ रही गंदे पानी की समस्या को हल करने के लिए आज वार्ड में नई पाइप लाइन लगाने के कार्य का शुभारंभ हुआ. इस अवसर पर मुख्य अतिथि मज़हर हुसैन सेठजीवाला, जौहर मानपुरवाला, सहित वार्ड के रेहवासी अली हुसैन रूबी, शेख आबिद लेमनवाला, मोहम्मद छतरीवाला, यूनुस अली, मुजफ्फर हुसैन सहित अनेक रेहवासी मौजूद थे.

कृष्ण-सुदामा की तरह निस्वार्थ हो मित्रता, यही जीवन का सबसे अनमोल धन

उज्जैन। शहर के माधव क्लब में माधव तैराकी ग्रुप द्वारा मित्रता दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा का उदाहरण देते हुए निस्वार्थ मित्रता को ही जीवन की असली पूंजी बताया। इस दौरान सभी ने साथियों व जरूरतमंदों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहने का संकल्प भी लिया।

क्लब के वरिष्ठ सदस्य सुनील हुकमचंद कछवाय ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य वक्ता शहर के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. सुधीर गवरीकर थे। उन्होंने कहा कि सच्ची मित्रता वही है,

जहां प्रेम, विश्वास, सम्मान और निस्वार्थ भाव हो। ऐसी मित्रता ही जीवन का सबसे अनमोल धन बन जाती है। डॉ. संदीप चौरसिया ने अपने विचार रखते हुए कहा कि सच्चा मित्र बिना किसी स्वार्थ के हर परिस्थिति में साथ निभाता है और सुख-दुख में बराबर का भागीदार बनता है।

समाजसेवी रवि लंगर का हुआ सम्मान-इस अवसर पर गरीबों और निराश्रितों की निस्वार्थ मदद करने वाले माधव क्लब एवं रोटरी क्लब के वरिष्ठ सदस्य रवि लंगर का सम्मान किया गया। सदस्यों ने उन्हें शॉल-श्रीफल और मोतियों की माला पहनाकर सम्मानित किया।

गले मिलकर दी मित्रता दिवस की बधाई-कार्यक्रम में मांगीलाल बाहेती, डॉ. नीरज गुप्ता, डॉ. राकेश सोनकर, व्यवसायी सुरेश मोड, प्रकाश मोटवानी, आनंद गहलोत, अजीत सिंह ठाकुर, आनंद अग्रवाल, रितेश धारीवाल, प्रदीप सोमानी और वीके गोयल सहित कई सदस्य उपस्थित थे। अंत में सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर मित्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

मंत्री परमार ने किया पौधारोपण, दिलाई एक पेड़ मां के नाम लगाने की शपथ

उज्जैन। पवित्र श्रावण मास के अवसर पर ज्ञान वर्षा इंटरनेशनल स्कूल में भव्य पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित लोगों को पौधा लगाने और उनके संरक्षण की शपथ भी दिलाई।

कार्यक्रम के दौरान महानगर उपाध्यक्ष ऋषि वर्मा और स्वयं प्रकाश पाटीदार के जन्मदिवस के अवसर पर मंत्री परमार ने बेलपत्र के पौधों की विशेष पूजा-अर्चना और आरती कर पौधारोपण किया। स्कूल परिवार ने रोपित पौधों को बड़ा वृक्ष बनाने और उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। मंत्री परमार ने संस्था का भ्रमण कर 400 कंप्यूटर वाली लैब और आईटीआई की व्यवस्थाओं का भी बारीकी से अवलोकन किया।

इन अतिथियों की रही उपस्थिति- इस अवसर पर उज्जैन उत्तर विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, जसवंत परमार, देवेंद्र परमार, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भानु भदौरिया, प्रवीण नायक, ईश्वर चौधरी, मनीष प्रजापत, राजेश पाटीदार और सुरेश पाटीदार सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का अभिनंदन मुकेश पाटीदार ने किया।

स्टाफ ने जताया हर्ष-संस्था के समस्त स्टाफ ने मंत्री के प्रथम आगमन पर हर्ष व्यक्त किया। कार्यक्रम में स्कूल परिवार से ममता पाटीदार, अनीता पाटीदार, ज्योति पाटीदार, किरण यादव, शची वार्ष्णेय, सुरेखा गिलहोत्रा, महालक्ष्मी, प्रीति शर्मा, प्रिया वर्मा, माया चौधरी, शालिनी पांड्या, किरण सिकरवार, राजीव पाटीदार, पूजा सक्सेना, तुषार देव, मुस्कान पाटीदार, सत्य प्रकाश, चेतन, हर्षित, दर्शन, कृष्णा, रिया और यति सहित समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

महाराष्ट्र सांस्कृतिक मंडल ने शुरू किया पौधारोपण अभियान, सालभर करेंगे पौधों की देखभाल

उज्जैन। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महाराष्ट्र सांस्कृतिक मंडल द्वारा शहर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंडल के सचिव दीपक मेंढालकर ने बताया कि संस्था ने इसी वर्ष से वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की है। अब से यह आयोजन हर साल निरंतर किया जाएगा और रोपे गए सभी पौधों की साल भर मंडल द्वारा ही देखरेख की जाएगी। अभियान के तहत शीतला माता मंदिर गार्डन, महानंदा नगर कॉम्प्लेक्स गार्डन और भारतीय ज्ञानपीठ स्कूल में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। शीतला माता बगीचे में औदुंबर (कदम), दो बेलपत्र, तीन आम, दो आंवला, एक टीकोमा और एक सीताफल का पौधा लगाया गया। वहीं, भारतीय ज्ञानपीठ में एक नीम और दो फूलों के पौधे रोपे गए। अभियान के लिए विद्या जोशी ने अपनी ओर से एक सीताफल और एक बेलपत्र का पौधा उपलब्ध कराया। साथ ही, पौधों की सुरक्षा के लिए के.के. महाजन ने दो ट्री गार्ड उपलब्ध कराए।

इनका रहा सहयोग व उपस्थिति-कार्यक्रम में वृक्ष मित्र प्रवीण बहुलकर और मिलिंद लेले का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर दीपक मेंढालकर, दीपक तारे, आनंद चंपक, अनुकूल उमरेकर, केके महाजन, प्रकाश रंगनेकर, राघवेंद्र व्यास काका, विजय अंधारे, गौतम विपट, अर्चना हरणे और मानसी लेले सहित मंडल के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बाणेश्वरी कावड़ यात्रा के लिए आज महेश्वर रवाना होंगे श्रद्धालु

इंदौर. मालवांचल की सबसे बड़ी बाणेश्वरी कावड़ यात्रा के लिए करीब पांच हजार श्रद्धालु रविवार को दोपहर 1 बजे मरीमाता चौराहे से बसों एवं अन्य वाहनों के माध्यम से महेश्वर के लिए रवाना होंगे। यात्रा को शहर के जनप्रतिनिधि, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु विदाई देंगे.

यात्रा संयोजक विधायक गोलू शुक्ला एवं यात्रा प्रभारी दीपेंद्रसिंह सोलंकी ने बताया कि प्रस्थान से पहले सिद्ध विजय गणेश मंदिर में पूजा-अर्चना एवं पौधरोपण किया जाएगा। यात्रा में चार आकर्षक झांकियां, भजन मंडलियां तथा धार्मिक प्रस्तुतियां भी शामिल रहेंगी. सावन के पहले सोमवार को सुबह 6 बजे महेश्वर में मां नर्मदा का दुग्धाभिषेक, चुनरी समर्पण एवं देवी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद कावड़ यात्रा उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर के लिए रवाना होगी। यात्रा सोमवार शाम गुजरी पहुंचकर रात्रि विश्राम करेगी.

एक नजर में

चातुर्मास प्रवचन में मुनिश्री ने फ्रेंडशिप डे पर दी कल्याण मित्र बनने की प्रेरणा

सच्चा मित्र वह है ,जो हमारे हित, सदाचार और धर्ममार्ग से जोड़ दे

उज्जैन। मालवा विभूषण पूज्य आचार्यदेव विजय वीर रत्नसूरिश्वर की दिव्य कृपा एवं विजय पद्मभूषणरत्नसूरिश्वर के शुभ सान्निध्य में अरविंद नगर के श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चल रहे पावन चातुर्मास के अंतर्गत ठाणांग सूत्र का वाचन एवं विवेचन निरंतर जारी है।

इसी कड़ी में, रविवार को फ्रेंडशिप डे पर पूज्य पंन्यास प्रवर ऋष भरत्नविजय ने धर्मसभा में कल्याण मित्र विषय पर प्रेरणादायी प्रवचन दिए। गुरुदेव ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मित्र वह नहीं जो केवल सुख-सुविधाओं में साथ दे, बल्कि सच्चा मित्र वह है जो हमारे हित, सदाचार और धर्ममार्ग से जोड़ दे। मित्र स्वार्थी नहीं, बल्कि सारथी होना चाहिए, जो जीवन को सही दिशा प्रदान कर सके। दुष्प्रवृत्तियों की ओर ले जाने वाला व्यक्ति कभी मित्र नहीं हो सकता, जबकि आत्मकल्याण की राह दिखाने वाला ही वास्तविक कल्याण मित्र कहलाता है।

दृष्टांतों से समझाया पवित्र मित्रता का मर्म- प्रवचन के दौरान अभयकुमार, आर्द्रकुमार तथा श्रीकृष्ण-सुदामा के प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से पवित्र मित्रता का महत्व विस्तार से समझाया गया। गुरुदेव ने कहा कि धर्म, सदाचार और आत्मोन्नति से जोड़ने वाली मित्रता ही सच्ची मित्रता है। केवल भौतिक लाभ और स्वार्थ पर आधारित संबंध क्षणिक होते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया, दोस्ती का अर्थ है—जिसमें मतलब न हो, वही सच्ची दोस्ती है।

जीवन में इन तीन महान उपकारियों को कभी न भूलें- ठाणांग सूत्र का विवेचन करते हुए पूज्य गुरुदेव ने उपकार को कभी न भूलने की प्रेरणा दी। उन्होंने तीन महान उपकारकर्ताओं का स्मरण कराते हुए कहा कि इनके उपकार का ऋण कभी नहीं चुकाया जा सकता, इनके प्रति हमेशा कृतज्ञता एवं सम्मान का भाव रखें।